UNIVERSITY CENTRE FOR DISTANCE LEARNING
CHAUDHARY DEVI LAL UNIVERSITY, SIRSA

MASTER OF ARTS (HINDI)

(2-YEAR COURSE)

Syllabus

प्रथम सेमेस्टर

मूल पाठयक्रम

प्रथम

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा–1

अध्यापन अवधि – 4 घंटे

लिखित परीक्षा–70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक
कुल अंकः 100

निर्देशः

1. संपूर्ण पाठयक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाऐगें। 2x5=10
2. इस प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड है। प्रत्येक खण्ड में से दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएँगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रवृत्ति, भाषा–व्यवस्था, भाषा–व्यवहार, भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अध्ययन की शाखाएँ, ध्वनि उत्पति, ध्वनि यंत्र, ध्वनियों के भेद, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण।

खण्ड–दो

वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार, अर्थ से अभिप्रायः, शब्द एवं अर्थ का सम्बंध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं।

खण्ड–तीन

प्रचीन भारतीय लिपियों का इतिहास, देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि के दोष।

खण्ड–चार

वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की ध्वन्यात्मक एवं रूपतामक संरचना, पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संचरना, हिन्दी भाषा की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ, ब्रजभाषा की ध्वन्यात्मक सरंचना, अवधी की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना।

इसमें व्याख्या भाग नहीं है।

पुस्तक सूचीः

1. सामान्य भाषा विज्ञान, लेखक बाबू राम सक्सेना।
2. भाषा विज्ञान की भूमिका, लेखक देवेन्द्र नाथ शर्मा ।
3. स्मसामयिक भाषा विज्ञान, लेखक वैश्ना नारंग।
4. हिन्दी भाषा का इतिहास, लेखक धीरेन्द्र वर्मा।
5. हिन्दी शब्दानुशासन, लेखक पं. किशोरीदास वाजपेयी।
6. हिन्दी भाषाः उद्गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद।
7. हिन्दीः उद्भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद।
8. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मी नारायण शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

मूल पाठयक्रम

द्वितीय

हिन्दी साहित्य का इतिहास

अध्यापन अवधि – 4 घंटे

लिखित परीक्षा–70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक
कुल अंकः 100

निर्देशः

1. संपूर्ण पाठयक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाऐगें। 2x5=10
2. इस प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड है। प्रत्येक खण्ड में से दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएँगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

साहित्येतिहास से अभिप्राय, साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्येतिहास की पूर्वपीठिका एवं परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास के आदिकाल के नामकरण एवं काल–निर्धारण की समस्या, आदिकाल की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ।

खण्ड–दो

भक्तिकाल के उद्‌भव एवं विकास के कारण, भक्तिकाल स्वर्ण युग क्यों है? भक्तिकाव्य की चारों धाराओं की प्रवृतियाँ, भक्तिकाल की परिस्थितियाँ।

खण्ड–तीन

श्रीतिकाल के नामकरण की समस्या, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृतियाँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य, रीतिकाल के कवियों का आचार्यत्व।

खण्ड–चार

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रवृतियाँ, द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृतियाँ, छायावाद की प्रवृतियाँ, प्रगतिवाद की प्रवृतियाँ, प्रयोगवाद एवं नयी कविता की प्रवृतियाँ, हिन्दी नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी, जीवनी एवं आत्मकथा का उद्‌भव एवं विकास।
इसमें व्याख्या भाग नहीं है।

पुस्तक सूचीः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक आचार्य शुक्ल, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी)
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका, लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र।
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लेखक डॉ. राम कुमार वर्मा।
5. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग एक एवं दो) लेखक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
6. साहित्येतिहासः संचरना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थन कानपुर।
7. स्वातंत्रयोतर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड), गणपतिचन्द्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिशचन्द्र वर्मा व राम निवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।

मूल पाठयक्रम
तृतीय
आधुनिक गद्य–साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घंटे

लिखित परीक्षा–70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक
कुल अंकः 100

निर्देशः

1. संपूर्ण पाठयक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाऐगें। 2x5=10
2. इस प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड है। प्रत्येक खण्ड में से दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएँगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

गोदान (उपन्यास)–प्रेमचन्द

खण्ड–दो

मैला आँचल (उपन्यास)–फणीश्वरनाथ 'रेणु'

खण्ड–तीन

तेईस हिन्दी कहानियाँ–जैनेन्द्र कुमार (संपादक) प्रकाशक–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (संशोधित रूप)

खण्ड–चार

तीनो पुस्तकां पर आधारित सप्रसंग व्याख्या।

पुस्तक सूचीः

1. हिन्दी उपन्यास की प्रवृतियाँ, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल, गोपाल राय, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. स्मकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
4. उपन्यास का आँचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन, दिल्ली।
5. 'मैला आँचल' की रचना–प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकांत पं. बांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
7. हिन्दी कहानी का इतिहास, लाल चन्द गुप्त 'मंगल', संजीव प्रकाशन, कुरूक्षेत्र।

मूल पाठयक्रम
चतुर्थ
आधुनिक हिन्दी काव्य

अध्यापन अवधि – 4 घंटे

लिखित परीक्षा–70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक
कुल अंकः 100

निर्देशः

1. संपूर्ण पाठयक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाऐगें। 2x5=10
2. इस प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड है। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएँगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

साकेत–मैथिलीशरण गुप्त
(नवम् सर्ग, चिरगाँव झाँसी, प्रकाशन) संशोधित रूप

खण्ड–दो

कामायनी–जयशंकर प्रसाद
(चिंता, श्रद्धा, लज्जा व आनन्द सर्ग) संशोधित रूप

खण्ड–तीन

रश्मिरथी–सुमित्रानन्दन पंत
रामधारी सिंह दिनकर (सात सर्ग)
संशोधित रूप

खण्ड चार

पुस्तक सूचीः

1. साकेतः एक अध्ययन, डॉ. नगेन्द्र
2. दिनकरः सृजन और चिंतन–डॉ. रेणु व्यास
3. 'जयशंकर प्रसाद समग्र साहित्य– राजीव आनन्द
4. छायावाद युगीन काव्यः अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रसाद और कामायनी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
6. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
7. सुमित्रा नंदन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्ट, आत्माराम एंड संस, दिल्ली।
8. काव्य भाषाः रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल।
10. नयी कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय प्रकाशन, दिल्ली
11. कविता और संघर्ष चेतना, यश गुलाटी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।

वैकल्पिक पाठयक्रम
प्रथम
भारतेन्द्र हरिशचन्द्र

अध्यापन अवधि – 4 घंटे

लिखित परीक्षा–70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक
कुल अंकः 100

निर्देशः

1. संपूर्ण पाठयक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाऐगें। 2x5=10
2. प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड है। प्रत्येक तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएँगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पांच अंको की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

भारतेन्द्र हरिशचन्द्र–बंदर सभा

खण्ड–दो

अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा–भारतेन्द्र हरिशचन्द्र

खण्ड–तीन

भारतेन्दु ग्रन्थावली (प्रथम खण्ड)–निबंध

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूचीः

1. भारतेन्द्र ग्रन्थावली
2. काव्य संग्रह बंदर सभा–भारतेन्द्र हरिशचन्द्र
3. अंधेर नगरी (प्रहसन)–भारतेन्दु हरिशचन्द्र
4. भारत दुर्दशा (नाटक)–भारतेन्द्र हरिशचन्द्र
5. भारतेन्द्र–युग और राष्ट्रीय नवजागरण–मुरली मनोहर प्रसाद सिंह
6. भारतेन्दु का नाटय साहित्य, डॉ. विरेन्द्र कुमार
7. भारतेन्द्र का गद्य साहित्यः समाजशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. कपिलदेव दुबे
8. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. गोपी नाथ तिवारी
9. भारतेन्दु के निबंध, डॉ. केसरी नारायण शुक्ल
10. भारतेन्दु युग का नाटय साहित्य और रंगमंच, डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसार
11. भारतेन्दु साहित्य, डॉ. राम गोपाल चौहान।
12. भारतेन्दु हरिशचन्द्र साहित्य और जीवन दर्शन, डॉ. रमेश गुप्त।

वैकल्पिक पाठयक्रम
द्वितीय
जयशंकर प्रसाद

अध्यापन अवधि – 4 घंटे

लिखित परीक्षा–70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक
कुल अंकः 100

निर्देशः

1. संपूर्ण पाठयक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाऐगें। 2x5=10
2. प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड है। प्रत्येक तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएँगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पांच अंको की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

आँसू काव्य–जयशंकर प्रसाद

खण्ड–दो

कामना, स्कंदगुप्त (नाटक)–जयशंकर प्रसाद

खण्ड–तीन

आकाशदीप (कहानी संकलन)–जयशंकर प्रसाद
(लोकभारती प्रकाशन) संशोधित रूप
कंकाल (उपन्यास)–जयशंकर प्रसाद

खण्ड–चार

तीनों पुस्तको पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूचीः

1. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता–प्रभाकर श्रोत्रिय
2. जयशंकर प्रसाद काव्य में बिम्ब योजना–रामकृष्ण अग्रवाल
3. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद
4. कामायनीः एक सह–चिन्तन, वचनदेव, कुमार एवं दिनेश्वर प्रसाद, क्लासिक पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली
5. कामायनी–अनुशीलन, राम लाल सिंह, इण्डियन प्रैस, लिमिटेड, प्रयाग
6. प्रसाद का साहित्य, प्रभाकर श्रोत्रिय, आत्मा राम एंड संस, दिल्ली
7. जयशंकर प्रसाद, रमेश चन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
8. प्रसाद का नाटय साहित्य, परम्परा और प्रयोग, हरिशचन्द्र प्रकाशन प्रतिष्ठान, मेरठः प्रथम संस्करण।
9. लहर–सौन्दर्य, सत्यवीर सिंह, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
10. प्रसाद का गद्य साहित्य, राजमणि शर्मा, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।

वैकल्पिक पाठयक्रम
तृतीय
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

अध्यापन अवधि – 4 घंटे

लिखित परीक्षा–70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक
कुल अंकः 100

निर्देशः

1. संपूर्ण पाठयक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाऐगें। 2x5=10
2. प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड है। प्रत्येक तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएँगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पांच अंको की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

राग–विराग

खण्ड–दो

साहित्य साधना (भाग–एक, लेखक रामविलास शर्मा)

खण्ड–तीन

कहानी संग्रह–सुकुल की बीवी

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित व्याख्या

पुस्तक सूचीः

1. निराला की सात्यि साधना (भाग एक)
2. सुकुल की बीवी (कहानी संग्रह)–निराला
3. राग विराग – निराला (काव्य)
4. निराला का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. निराााला का साहित्य और साधना, विष्वम्भरनाथ उपाध्याय, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. महाकवि निराला, काव्यकला, डॉ. विष्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
7. निराला का अलक्षित अर्थ–गौरव, शशिभूषण शीतांशु सरस्वती प्रैस इलाहाबाद।
8. निराला का कथा साहित्य, कुसुम वार्ष्णेय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद।
9. निराला के काव्य में बिम्ब और प्रतीक, वेदव्रत शर्मा आर्य बुक डिपो, दिल्ली।
10. निराला और उनका तुलसीदास, राम कुमार शर्मा, पदम बुक कम्पनी, जयपुर

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

प्रथम

भाषाविज्ञान एवं हिन्दीभाषा – द्वितीय

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15x4=60

खण्ड–एक

प्राचीन भारतीय भाषाविज्ञान का इतिहास : पाणिनि पूर्व, पाणिनि कालीन एवं पाणिनि परवर्ती, शिक्षा, प्रातिशाख्य, यास्क, कात्यायन, निरुक्त, पतंजलि, भर्तृहरि, आधुनिक हिन्दी भाषाविज्ञान का इतिहास।

खण्ड–दो

मानक हिंदी की ध्वनियाँ, मानक हिंदी और खड़ीबोली में अंतर, हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था, हिंदी राजभाषा के रूप में, राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में हिंदी का योगदान।

खण्ड–तीन

हिंदी की व्याकरणिक संरचना : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रियाविशेषण, लिंग, वचन, कारक, अव्यय, निपात।

हिंदी में शब्द–संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि एवं समास ।

खण्ड–चार

हिन्दी प्रचार प्रसार आन्दोलन में विभिन्न व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान, हिन्दीतर भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय – मराठी, गुजराती, बंगला, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलगू, कन्नड़, असमी व मलयालम।

पुस्तक सूची –

1. सामान्य भाषाविज्ञान–बाबूराम सक्सेना
2. भाषाविज्ञान की भूमिका–देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. समसामयिक भाषाविज्ञान–वैश्ना नांरग
4. हिन्दी शब्दानुशासन–किशोरीदास वाजपेयी
5. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना– वासुदेव नंदन प्रसाद
6. हिन्दी भाषा का इतिहास– धीरेन्द्र वर्मा

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

द्वितीय

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15x4=60

खण्ड–एक

काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–भेद।

खण्ड–दो

रस सिद्धान्त : भरतमुनिसूत्र, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति संबंधी चार आचार्यों के मत, रस के अंग (अवयव/तत्त्व), सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण ।

खण्ड–तीन

अलंकार सिद्धान्त : अलंकार–संबंधी आचार्यो के मत, अलंकार–भेद, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार एवं अलंकार्य।

रीति सिद्धान्त : रीति–संबंधी वामन की स्थापनाएँ, काव्य–गुण, रीति एवं शैली।

खण्ड–चार

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति–संबंधी कुंतक की स्थापनाएँ, वक्रोक्ति के भेद एवं उपभेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि–संबंधी आनंदवर्द्धन की स्थापनाएँ, ध्वनि के भेद एवं उपभेद, ध्वनि के आधार पर काव्य भेद।

औचित्य सिद्धान्त : औचित्य–संबंधी क्षेमेन्द्र की स्थापनाएँ, औचित्य के भेद एवं उपभेद।

पुस्तक सूची –

1. काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र– योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र– सत्यदेव चौधरी
4. रस सिद्धान्त– नगेन्द्र
5. काव्य के तत्व– देवेन्द्रनाथ शर्मा

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

तृतीय

हिन्दी कथेतर साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10
2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग–एक) से निबंधः–श्रद्धा एवं भक्ति, भाव या मनोविकार, कविता क्या है, उत्साह, लज्जा और ग्लानि

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल संकलन से निबंधः– अशोक के फूल, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है, वसन्त आ गया है, नया वर्ष आ गया है, पुरानी पोथियाँ

खण्ड–दो

बालमुकुंद गुप्त : शिवशम्भू का चिट्ठा

खण्ड–तीन

हरिवंशराय बच्चन : क्या भूलूँ क्या याद करूँ

खण्ड–चतुर्थ

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. हिंदी जीवनी साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन– भगवान दास भारद्वाज
2. आ0 रामचन्द्र शुक्ल– कृष्ण दत्त पालीवाल एवं जय सिंह ष्नीरजष
3. आ0 रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना– रामविलास शर्मा
4. आलोचक रामचन्द्र शुक्ल– गुलाब राय
5. निबंधः सिद्धान्त और प्रयोग– हरिहरनाथ द्विवेदी

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

चतुर्थ

भक्ति एवं रीतिकालीन काव्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10
2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

कबीर : कबीर वाणी (आरंभिक चालीस साखी एवं आरंभिक दस पद), संपादक पारसनाथ तिवारी, राका प्रकाशन, इलाहाबाद

जायसी : पद्मावत, वासुदेवशरण अग्रवाल (संपादक), मानसरोवर खण्ड, नागमती वियोग खंड, गोरा–बादल खण्ड

खण्ड–दो

सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरम्भिक 30 पद), सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

तुलसीदास : कवितावली (केवल उत्तरकाण्ड)

खण्ड–तीन

रीतिकाव्य संग्रह, संपादक विजयपाल सिंह, प्रकाशन लोक भारती, इलाहाबाद

देव के आरम्भिक बारह पद, भूषण के आरम्भिक बारह पद, घनानंद के आरम्भिक बारह पद एवं बिहारी के आरम्भिक पचास दोहे।

खण्ड चार

तीनों खण्डों पर आधारित काव्य की सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ0 रामचन्द्र शुक्ल
2. त्रिवेणी– आ0 रामचन्द्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर– आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. रीतिकाव्य की भूमिका– नगेन्द्र
6. देव और उनकी कविता– नगेन्द्र
7. बिहारी– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. घनानन्द कवित्त– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

वैकल्पिक पत्र

प्रथम

कबीरदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10
2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

कबीर ग्रंथावली सम्पूर्ण दोहे, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी)

खण्ड–दो

कबीर ग्रंथावली से आरम्भिक बीस रमैणी, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी)

खण्ड–तीन

कबीर ग्रंथावली से आरम्भिक तीस पद, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी)

खण्ड–चार

तीनों खण्डों पर आधारित काव्य की सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बरदत्त बडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ
2. कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह
4. कबीर मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद
6. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद
7. संत कबीर – सं. रामकुमार वर्मा
8. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
9. हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
10. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

द्वितीय

सूरदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10
2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

सूरसागर सार से विनय एवं भक्ति के पद, संपादक धीरेन्द्र वर्मा

खण्ड–दो

सूरसागर सार से गोकुल एवं वृन्दावन लीला के पद, संपादक धीरेन्द्र वर्मा

खण्ड–तीन

सूरसागर सार से भ्रमरगीत के पद, संपादक धीरेन्द्र वर्मा

खण्ड–चार

तीनों खण्डों पर आधारित काव्य की सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. सूरदास – सं. हरबंसलाल शर्मा
2. सूर और उनका साहित्य – डॉ. हरबंसलाल शर्मा
3. सूर की साहित्य साधना – डॉ. भगवतस्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर
4. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
5. मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
6. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय – भाग 1 तथा 2 – डॉ. दीनदयाल गुप्त
7. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. मुंशीराम राय
8. सूरदास – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
9. सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
11. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
12. अष्टछाप परिचन्द – प्रभु दयाल मित्तल
13. सूर की काव्यमाला – मनमोहन गौतम

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

तृतीय

तुलसीदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10
2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

रामचरितमानस का सुन्दरकाण्ड, प्रकाशक गीता प्रेस, गोरखपुर

खण्ड–दो

विनय पत्रिका के निम्नलिखित पद–1,30,31,32,36,45,76,79,84,87,88,89,90,91,92,94,101,105,111,112

खण्ड–तीन

कवितावली के विभिन्न काण्डों से निम्नलिखित पदः

बालकाण्ड : 1, 2, 4 और 17

अयोध्याकाण्ड : 1, 2, 6, 7 ,8, 11, 12, 19, 20, 21 और 22

सुन्दरकाण्ड : 30 और 32

उत्तरकाण्ड : 29,30,31,35,36,47,50,55,56,57,62,72,85,97 और 108

खण्ड–चार

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या।

पुस्तक सूची –

1. तुलसी दर्शन मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह
2. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह
3. तुलसी के भक्त्यात्मक गीत – वचनदेव कुमार
4. तुलसीदास की भाषा – देवकीनन्दन श्रीवास्तव
5. तुलसी–रसायन – भागीरथ मिश्र
6. भक्ति का विकास – मुंशी राम शर्मा
7. रामकथा :उत्पत्ति और विकास – कामिल बुल्के
8. तुलसी दर्शन – बलदेव प्रसाद मिश्र
9. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
10. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित
11. तुलसी की कारयित्री प्रतिभा का अध्ययन – डॉ. श्रीधर सिंह
12. तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम – डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा

13. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारी प्रसाद द्विवेदी
14. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य – शिव कुमार मिश्र
15. भक्ति काव्य और समाज दर्शन – प्रेम शंकर

मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम

प्रथम

प्रयोजनमूलक हिन्दी

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

15x4=60

खण्ड–एक

प्रयोजनमूलक हिन्दी – अर्थ, अवधारणा व स्वरूप
प्रयोजनमूलक हिन्दी व उसके विविध रूप
राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान – अनु. 343 से 351 तक

खण्ड–दो

दृश्य श्रव्य माध्यमों का परिचय, पत्र लेखन – स्वरूप, प्रकार व प्रारूप, आवेदन पत्र, नियुक्ति पत्र, मांग पत्र, सरकारी पत्राचार – स्वरूप, प्रकार, प्रारूप, परिचय, ज्ञापन, कार्यालय।

खण्ड–तीन

पत्रकारिता स्वरूप व भेद, सम्पादक के गुण, प्रेस सम्बन्धी कानून।
वाणिज्य व व्यवसायिक पत्र लेखन, कार्यालयी हिन्दी
वाणिज्यिक पत्र, व्यवहार में अन्तर, प्रस्तावों के पत्र प्रस्तुत करना।

खण्ड–चार

विज्ञापन और अनुवाद की प्रक्रिया का परिचय– क्षेत्र, विस्तार और महत्व, भाषा और उपयुक्त विशेषण, अभिव्यक्ति की प्रभावशीलता, एक अच्छे प्रतिलेखक के गुण।

पुस्तक सूची –

1. प्रशासनिक हिन्दी– महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी– दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
5. आधुनिक विज्ञापन– प्रेमचंद पतंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. राजभाषा हिन्दी– कैलाशचन्द्र भाट्या, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी और काव्यांग– डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

प्रथम पत्र – पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे । 2x5=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं । प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा । इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा 15x4=60

खण्ड एक

प्लेटो : आदर्शवाद
अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी की अवधारणा
लोंजाइनस : उदात्त सिद्धान्त
होरेस : औचित्य सिद्धान्त

खण्ड–दो

कॉलरिज : कल्पना सिद्धान्त
विलियम वडर्सवर्थ : कविता–संबंधी अवधारणा एवं काव्यभाषा सिद्धान्त
क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

खण्ड–तीन

टी.एस.इलियट : परंपरा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धान्त, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त
आई.ए.रिचडर्सः मूल्य सिद्धान्त
मैथ्यू आर्नाल्ड : आलोचना–संबंधी अवधारणा

खण्ड–चार

मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

पुस्तक सूची :–

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. सावित्री सिन्हा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा – डॉ. तारकनाथ बाली, शव्दकार, दिल्ली।
6. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली।
7. प्रगतिशील हिन्दी आलोचना की रचना प्रक्रिया – हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन सन्दर्भ – सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9. पाश्चात्य काव्य चिन्तन – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ – सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. हिन्दी आलोचना की परिभाषिक शव्दावली – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

द्वितीय पत्र : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी काव्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 3x5=15

खण्ड–एक

अज्ञेय : असाध्य वीणा, यह दीप अकेला, कितनी नावों में कितनी बार, पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ।

खण्ड–दो

मुक्तिबोध : अधेरे में, कदम कदम पर।

खण्ड–तीन

नरेश मेहता : संशय की एक रात, समय देवता।

खण्ड–चार

उपर्युक्त तीन खण्डों में दी गई कविताओंध्कविता संग्रहों पर आधारित पद्यांशों की व्याख्या।

पुस्तक सूची :

1. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
2. हिन्दी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
3. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य – रामस्वरूप चतुर्वेदी।

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

तृतीय पत्र : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 3x5=15

खण्ड–एक

अज्ञेय : शेखर : एक जीवन भाग 1–2

खण्ड–दो

यशपाल : झूठा सच

खण्ड–तीन

अलका सरावगी : कलिकथा : वाया बाइपास

खण्ड–चार

उपर्युक्त तीन खण्डों में दिये गये उपन्यासों पर आधारित गद्यांशों की व्याख्या।

पुस्तक सूची :

1. शेखर एक जीवनी, लेखक – डॉ. गोपाल राम, ग्रन्थ निकेतन, पटना।
2. अज्ञेय और उनका साहित्य, लेखक – डॉ. पूनमचन्द तिवारी, राजश्री प्रकाशन, भोपाल।
3. यशपाल : व्यक्तित्व और कृतित्व, लेखक – डॉ. सरोज गुप्त, अनुराग प्रकाशन, अजमेर।
4. यशपाल के उपन्यास, लेखक – कुमारी स्नेह लता शर्मा, कौशाम्बी प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिन्दी उपन्यास : नये क्षितिज, लेखक – डॉ. शशिभूषण सिंहल, प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

चतुर्थ पत्र : हिन्दी साहित्यालोचन

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

15x4=60

खण्ड–एक

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी।

खण्ड–दो

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं रामविलास शर्मा।

खण्ड–तीन

आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह एवं नगेन्द्र।

खण्ड–चार

दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, निर्मल वर्मा।

पुस्तक सूची :

1. हिन्दी समीक्षा स्वरूप और संदर्भ, लेखक – डॉ. रामदरश मिश्र, दि मैकमिलन कंपनी आफ इण्डिया लिमिटेड, दिल्ली।
2. विसंरचनात्मक आलोचना : अर्थ की सर्जना, लेखक – पाण्डेय शशिभूषण, शीतांशु नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : सिद्धान्त और साहित्य, लेखक – जयचन्द्र राय, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली।
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और भारतीय समीक्षा, सम्पादक – सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और कृतित्व, कुमारी पी. वासवदता, युगवाणी प्रकाशन, कानपुर।

तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक पत्र

प्रथम पत्र : प्रवासी हिन्दी साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

15x4=60

खण्ड–एक

भारत से विस्थापन का इतिहास एवं कारण, प्रवासी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विकास।

खण्ड–दो

हिन्दी में प्रवासी लेखन का आरम्भ, प्रवासी लेखन की प्रवृत्तियाँ।

खण्ड–तीन

लाल पसीना दृ अभिमन्यु अनन्त (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
केक्टस के दाँत दृ अभिमन्यु अनन्त

खण्ड–चार

कहानियाँ (कथालंदन, स० सूरजप्रकाश, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली)
1. कोख का किराया – तेजेन्द्र शर्मा
2. घर का ठूंठ दृ सैल अग्रवाल

पुस्तक सूची :

1. प्रवासी संसार, सम्पादक दृ राकेश पाण्डेय, दिल्ली।
2. प्रवासी कहानियाँ, सम्पादक दृ हिमांशु जोशी, साहित्य अकादमी।
3. वर्तमान साहित्य (प्रवासी साहित्य विशेषांक), सम्पादक दृ कुंवरपाल सिंह, अलीगढ़।
4. समकालीन कथा साहित्य : सरहदें व सरोकार, डॉ. रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकुला।

तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक पत्र

द्वितीय पत्र : हरियाणा की लोक संस्कृति एवं साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

15x4=60

खण्ड–एक

लोक संस्कृति की अवधारणा एवं विशेषताएँ , लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन।

खण्ड–दो

हरियाणवी भाषा की विशेषताएँ, हरियाणवी साहित्य का परिचय।

खण्ड–तीन

हरियाणवी भाषा में रचित लोक गीत एवं सांग ।

खण्ड–चार

हरियाणा के लोक गीत (खण्ड दृ 1–2), भाषा विभाग, हरियाणा।

पुस्तक सूची :

1. हरियाणा : संस्कृति एवं कला, लेखक दृ सन्तराम देशवाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला, 2004
2. हरियाणा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन, लेखक दृ गुणपाल सिंह सांगवान, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 2004
3. हरियाणवी भाषा : स्वरूप और पहचान, विश्वबंधु शर्मा, अनंग प्रकाशन, 2006
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा, कृष्णदेव उपाध्याय, लोक भारती प्रकाशन, 2009
5. हरियाणा का लोक साहित्य, लालचद गुप्त 'मंगल', सूर्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1998
6. हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन, (संपादक) साधुराम शारदा, हरियाणा भाषा विभाग, 1978
7. हरियाणा का लोक साहित्य, राजाराम शास्त्री, लोक सम्पर्क विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़, 1990
8. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1960
9. हरियाणा भाषा का उद्‌गम तथा विकास, नानकचंद शर्मा, विश्लेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, 1968
10. सांग सम्राट पंडित लखमीचंद, राजेन्द्र स्वरूप वत्स, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1991

तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक पत्र

तृतीय पत्र : जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

15x4=60

खण्ड–एक

जनसंचार – अवधारणा, स्वरूप व विकास, जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्त और सिद्धान्तकार, सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रूप।

खण्ड–दो

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं आदि), प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय एवं फीचर आदि), प्रिंट मीडिया की भाषा।

खण्ड–तीन

भाषा की सूचनात्मक क्षमता – सूचना निर्माण, सूचना शैली, सूचना सम्प्रेषण, वाचिक भाषा, लेखक भाषा।

खण्ड–चार

जनसंचार और हिन्दी साहित्य – जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी, जनसंचार माध्यमों से सम्बन्धित हिन्दी साहित्य, इलेक्ट्रोनिक संदर्भ के रूप में हिन्दी का मानकीकरण दृ आवश्यकता, भाषा नियोजन नीति, भाषा स्थिरता, किताबी भाषा और माध्यमों की भाषा में अन्तर।

पुस्तक सूची :

1. राजभाषा हिंदी – कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
4. व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक।
6. भाषा विज्ञान एवं मानक हिंदी, डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली।
7. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचन्द पातंजली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड, शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।
10. कंप्यूटर : सिद्धान्त और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।

11. कंप्यूटर और हिंदी, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
12. रेडियो और पत्रकारिता, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
13. सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।
14. पत्रकारिता के सिद्धान्त – डॉ. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, दिल्ली, 2002
15. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1984
16. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार – डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक', वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2000
17. संचार से जनसंचार – रुपचन्द गौतम, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2005
18. सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2002
19. इलैक्ट्रानिक मीडिया – पी. के. आर्य, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली, 2006

तृतीय सेमेस्टर

मुक्त वैकल्पिक पत्र

द्वितीय पत्र : हिन्दी संचार कौशल

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

15x4=60

खण्ड–एक

संचार की अवधारणा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व – संचार के प्रकार एवं सम्प्रेषण के माध्यम, भाषा सम्प्रेषण के चरण, साक्षात्कार, भाषण कला एवं लेखन, पत्र लेखन।

खण्ड–दो

हिन्दी भाषा एवं उसकी बोलियाँ दृ हिन्दी भाषा का विकास, हिन्दी की बोलियाँ, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, हिन्दी व्याकरण (मुहावरे, लोकोक्तियां, समानार्थक, व विपरीतार्थक शब्द)

खण्ड–तीन

व्यवहारिक हिन्दी – हिन्दी की सांविधानिक स्थिति, राजभाषा अधिनियम, राष्ट्रपति अध्यादेश पत्र लेखन (सरकारी व अर्धसरकारी)।

खण्ड–चार

अनुवाद एवं सृजनात्मक लेखन – अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद : प्रकृति एवं प्रक्रिया, अनुवाद : वर्गीकरण, व्यावहारिक अनुवाद (अंग्रेजी–हिन्दी), सृजनात्मक लेखन – कविता, कहानी, नाटक, निबन्ध।

पुस्तक सूची :

1. हिन्दी भाषा : उद्‌गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1961
2. हिन्दी : उदभव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965
3. भाषा शिक्षण, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशन, दिल्ली, 1981
4. भाषा और भाषाविज्ञान, नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
5. अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
6. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
7. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1980
8. भारतीय भाषाएं और हिन्दी अनुवाद : समस्या समाधान, कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. भाषा और प्रौद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. व्यावहारिक हिन्दी, प्रेमचन्द पतंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
12. राजभाषा हिन्दी, कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

चतुर्थ सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र : भारतीय साहित्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे

लिखित परीक्षा : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक
कुल अंक : 100
समय : 3 घंटे

निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. प्रथम दो खण्डों में दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x2=30
3. खण्ड तीन एवं चार में से दो–दो समीक्षात्मक प्रश्नों में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 10x2=20
4. खण्ड तीन एवं चार में से दो–दो व्याख्यात्मक प्रश्नों में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 5x2=10

खण्ड एक

1. भारतीय साहित्य का इतिहास
2. भारतीय साहित्य के विविध रूप
3. भारतीय साहित्य में भक्ति आंदोलन
4. आधुनिक भारतीय साहित्य का परिचय

खण्ड दो

1. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
2. भारतीयता और भारतीय साहित्य
3. भारतीय साहित्य में संस्कृति
4. भारतीय साहित्य की विशेषताएँ

खण्ड तीन

आनन्द मठ (बंगला से उपन्यास)– बंकिमचन्द्र चटर्जी

खण्ड चार

घासी राम कोतवाल (मराठी से अनूदित नाटक)– विजय तेंदुलकर

पुस्तक सूचीः–

1. बंगला साहित्य का इतिहास– सुकुमार सेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली– 1970
2. भारतीय साहित्य : अध्ययन की नई दिषाएँ– प्रदीप श्रीधर, तक्षषिला प्रकाषन, नई दिल्ली– 2010
3. भारतीय साहित्य दर्शन– के एल हंस, ग्रंथम रामबाग, कानपुर–1073
4. भारतीय साहित्य की रूपरेखा–भोले शंकर व्यास, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी– 2008
5. भारतीय साहित्य– मूल चन्द गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली– 2011

चतुर्थ सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र : हरियाणा का हिन्दी साहित्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे

लिखित परीक्षा : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक
कुल अंक : 100
समय : 3 घंटे

निर्देश :–

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. प्रत्येक खण्ड में से दो–दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 10x4=40
3. प्रत्येक खण्ड में से दो–दो व्याख्यात्मक प्रश्नों में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 10x2=20

खण्ड एक

बालमुकुन्द गुप्त निबन्धावली

खण्ड दो

अर्धनारीश्वर– विष्णु प्रभाकर

खण्ड तीन

गोपालदास नीरज

निम्नलिखित आठ कविताएँ–

1– किसके लिए? 2– आँसू जब सम्मानित होंगे, 3– अपनी बानी प्रेम की बानी, 4– प्यार की कहानी चाहिए, 5– भावनगर से अर्थनगर तक, 6– ठाठ है फकीरी अपना, 7– चल औघट घाट पे यार जरा, 8– यह प्यासों की प्रेम सभा है।

खण्ड चार

उदयभानु हंस

निम्नलिखित आठे कविताएँ–

1– मत जियो सिर्फ अपनी खुषी के लिए? 2– आदमी खोखले हैं पूस के बादल की तरह, 3– ज़िंदगी फूस की झोंपड़ी है, 4– बैठे हों जब वो पास, खुदा खैर करे, 5– जी रहे हैं लोग कैसे आज के वातावरण में, 6– कब तक यूँ बहारों में पतझड़ का चलन रहेगा, 7– भेड़ियों के ढंग, 8– मैं तुझसे प्रीत लगा बैठा।

पुस्तक सूची–

1. हरियाणा का हिन्दी साहित्य– लाल चन्द गुप्त मंगल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला।

2. हरियाणा एक सांस्कृतिक अध्ययन– साधु राम षारदा, भाशा विभाग हरियाणा, पंचकुला।
3. हरियाणा में रचित हिन्दी साहित्य– सत्यपाल गुप्त, भाशा विभाग हरियाणा, पंचकुला।
4. 'सप्तसिन्धु' (हरियाणा साहित्य विशेषांक), भाशा विभाग, हरियाणा, पंचकुला।

चतुर्थ सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी नाटक

अध्यापन अवधि : 4 घंटे

लिखित परीक्षा : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक
कुल अंक : 100
समय : 3 घंटे

निर्देश–

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. खण्ड एक में से दो दीर्घ प्रष्न दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x1=15
3. खण्ड दो, तीन एवं चार में से दो–दो समीक्षात्मक प्रश्न दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 10x3=30
4. खण्ड दो, तीन एवं चार में से दो–दो व्याख्यात्मक प्रश्न दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 5x3=15

खण्ड एक

1. रूपक से अभिप्राय एवं भेद
2. नाटक से अभिप्राय
3. नाटक के तत्त्व
4. रंगमंच संबंधी संकल्पना

खण्ड दो

चन्द्रगुप्त– जयशंकर प्रसाद

खण्ड तीन

कोणार्क– जगदीशचन्द्र माथुर

खण्ड चार

आषाढ़ का एक दिन– मोहन राकेश

पुस्तक सूची–

1. हिन्दी नाटक इतिहास के सोपान– गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–2002
2. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच– जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2002
3. हिन्दी नाटक के बदलते आयाम– नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, विक्रम प्रकाशन, नई दिल्ली– 1987
4. नाटककार मोहन राकेश– सुंदर लाल कथूरिया
5. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास– लक्ष्मी नारायण लाल
6. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच, संपादक– नेमिचन्द्र जैन

चतुर्थ सेमेस्टर

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी अनुवाद

अध्यापन अवधि : 4 घंटे

लिखित परीक्षा : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक
कुल अंक : 100
समय : 3 घंटे

निर्देश–

1. प्रथम दो खण्डों में से पाँच अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. प्रथम दो खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x2=30
3. खण्ड तीन में दो अनुच्छेद हिन्दी भाषा के दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किसी एक का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करना होगा। 15x1=15
4. खण्ड चार में दो अनुच्छेद अंग्रेजी भाषा के दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किसी एक का हिन्दी में अनुवाद करना होगा। 15x1=15

खण्ड एक

1. अनुवाद का स्वरूप
2. अनुवाद के सिद्धांत
3. अनुवाद प्रविधि
4. अनुवाद की समस्याएँ

खण्ड दो

1. अनुवाद का इतिहास
2. तकनीकी शब्दावली के प्रकार एवं विशेषताएँ
3. कम्प्यूटर और अनुवाद

खण्ड तीन

हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद

खण्ड चार

अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

पुस्तक सूची–

1. अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप– कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–2004
2. अनुवाद के विविध आयाम– पूरण चन्द टण्डन व हरीष कुमार सेठी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2005
3. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग– कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2008
4. अनुवाद विज्ञान– राजमणि षर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली– 2002
5. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण– हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली–1994
6. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका– रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा–1980

चतुर्थ सेमेस्टर

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र : प्रेमचन्द : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे

लिखित परीक्षा : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक
कुल अंक : 100
समय : 3 घंटे

निर्देश–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. प्रथम तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। 5x3=15

खण्ड एक

ग़बन– प्रेम चन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।

खण्ड दो

प्रतिनिधि कहानियाँ– प्रेम चन्द, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

खण्ड तीन

प्रेम चन्द के श्रेष्ठ निबन्ध– सत्य प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित व्याख्या।

पुस्तक सूची–

1. प्रेम चन्द : चिन्तन और कला– इनद्रनाथ मदान, सरस्वती प्रेस, बनारस।
2. प्रेम चन्द और उनका युग– रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. प्रेम चन्द और भारतीय किसान– रामवृक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रेम चन्द और उनका साहित्य– शीला गुप्त, साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड, इलाहाबाद।
5. प्रेम चन्द– सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली।

चतुर्थ सेमेस्टर

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

तृतीय प्रश्नपत्र : महादेवी वर्मा : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे

लिखित परीक्षा : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक
कुल अंक : 100
समय : 3 घंटे

निर्देश–

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 5x2=10
2. प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

15x4=60

खण्ड एक

संधिनी

खण्ड दो

शृंखला की कड़ियाँ

खण्ड तीन

अतीत के चलचित्र

खण्ड चार

मेरा परिवार

पुस्तक सूची–

1. नवजागरण और महादेवी वर्मा का रचना कर्म : स्त्री विमर्श के स्वर– कृष्णदत्त पालीवाल।
2. महीयसी महादेवी– गंगा प्रसाद पांडेय।
3. हिन्दी का गद्य साहित्य– राम चन्द्र तिवारी।
4. गवेशणा (पत्रिका) अंक– 87, सम्पादक– शंभुनाथ सिंह।
5. महादेवी वर्मा का काव्य : कला और दर्शन– रश्मि दीक्षित, केंन्द्रीय हिन्दी संस्थान–1999
6. महादेवी वर्मा : काव्य, कला और दर्शन– सम्पादिका– शची रानी गुर्टू, आत्मा राम एण्ड संस, दिल्ली– 1963
7. महादेवी वर्मा और उनकी संधिनी– श्याम बजाज, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।

चतुर्थ सेमेस्टर

मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम

अनुवाद सिद्धांत

अध्यापन अवधि : 2 घंटे

लिखित परीक्षा : 30 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
कुल अंक : 50
समय : 3 घंटे

निर्देश :–

1. प्रथम खण्ड के अन्तर्गत 50 में से किन्हीं 30 शब्दों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करना होगा। 30x1/2=15
2. खण्ड दो में अंग्रेजी भाशा के दो गद्यांष दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किसी एक का हिन्दी में अनुवाद करना होगा। 15x1=15

खण्ड एक

प्रशासनिक षब्दावली– केन्द्रीय हिन्दी निदेषालय, रामकुश्णपुरम, नई दिल्ली द्वारा प्रकाषित।

खण्ड दो

अनुवाद : अंग्रेजी से हिन्दी

पुस्तक सूची–

1. अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप– कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–2004
2. अनुवाद के विविध आयाम– पूरण चन्द टण्डन व हरीश कुमार सेठी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2005
3. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग– कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2008
4. अनुवाद विज्ञान– राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–2002
5. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण– हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–1994
6. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका– रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा–1980